



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2491]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 8, 2014/अग्रहायण 17, 1936

No. 2491]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 8, 2014/AGRAHAYANA 17, 1936

गृह मंत्रालय

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 2014

New Delhi, the 8th December, 2014

का. आ. 3088(अ).—विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार यह निर्धारित करने के लिए कि क्या मेघालय के हन्नीवट्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल (एच एन एल सी) को विधि-विरुद्ध संगम घोषित करने लिए पर्याप्त कारण हैं अथवा नहीं, एतद्द्वारा, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री ए. के. पाठक की अध्यक्षता में “विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिकरण” का गठन करती है।

S. O. 3088(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby constitutes "The Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Mr. Justice A.K. Pathak, Judge of Delhi High Court, for the purpose of adjudicating whether or not there is sufficient casue of declaring the Hynniewtre National Liberation Council (HNLC) of Meghalaya as Unlawful Association.

[फा. सं. 11011/27/2014-एन.ई.-V]

[F. No. 11011/27/2014-NE-V]

शंभू सिंह, संयुक्त सचिव

SHAMBHU SINGH, Jt. Secy.